6/4/2020----Regional Development and Planning, Delimiting a Region, Factors Leading to Regional Imbalance- Examrace----Downloaded from examrace.com'

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

Examrace

Regional Development and Planning, Delimiting a Region, Factors Leading to Regional Imbalance

Glide to success with Doorsteptutor material for UGC : Get detailed illustrated notes covering entire syllabus: point-by-point for high retention.

Delimiting a Region

gravity models के दव्ारा

- Stouffer
- converse
- relliy

proximal- Theisen polygon

गुणात्मक विधियाँ-

- R.L. Singh
- UN Criteria

प्रादेशिक संतुलन (Regional imbalance)

- विश्व में प्रादेशिक असंतुलन
- भारत में प्रादेशिक असंतुलन

प्रादेशिक असंतुलन को प्रभावित करने वाले कारक-समकालीन मुद्दे (paper II)

प्रादेशिक संतुलन:-प्रादेशिक संतुलन का अर्थ है जहाँ आर्थिक एवं मानव विकास के सूचंकांक भू-दृश्य पर एक समान फैले हैं। प्रादेशिक असंतुलन इसका विपरीतार्थक है जो विकास की स्थानिक विश्लेषण में वैविध्य का सूचक है।

- RI का अंर्तसंबंध संतुलित विकास की संकल्पना पर आधारित है। Harrod equation के अनुसार यदि
- $G_y = G_n = G_o$ हो तभी संतुलित विकास माना जा सकता है और संतुलित विकास में ही प्रादेशिक संतुलन कायम होते है।
- $\overline{\text{ळ}}_{\text{ल}}$ = PCI में वृद्धि
- $\overline{\text{ळ}}_{\text{द}}$ =संसाधनों के विकास एवं संवृद्धि की दर को
- $\overline{\text{ळ}}_{\text{व}}$ प्रदेश के output अथवा जीडीपी के वृद्धि दर को दर्शाती है अर्थात जहाँ न सिर्फ राष्ट्रीय आय बल्कि एवं संसाधनों का विकास दर उच्च हो वहीं संतुलित विकास है।

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

- यदि प्रदेश में आर्थिक विकास एवं मानव विकास की प्रक्रिया में संतुलन है तभी समेकित विकास माना जा सकता है।
- किसी प्रदेश में संतुलित विकास तभी माना जा सकता है जब
- आर्थिक एवं मानवीय विकास दोनों प्रक्रियायें तीव्र हो-जैसे –west asia में आर्थिक विकास तीव्र है परन्तु मानव की प्रक्रिया निम्न है। अत: असंतुलित विकास है।
- capital growth एवं capital investment में संतुलन होना चाहिए।
- स्सांधनों के दोहन एवं पुर्ननिर्माण में संतुलन अर्थात संपोषणीय विकास
- निर्यात एवं आयात के मध्य संतुलन संतुलित विकास को दर्शाती है।
- प्रादेशिक विकास में विषमता न्यूनतम एवं आर्थिक क्रियाओं का प्रवाह एक समान हो।
- कृषि एवं औद्योगिक विकास में संतुलन हो।
- जीडीपी में कृषि का भाग न्यूनतम, उद्योग एवं सेवा के अधिक भागीदारिता संतुलित विकास की दशा को दर्शाते है।
- प्रादेशिक विषमता अथवा असंतुलन मुख्य रूप से असंतुलित विकास की क्रियाओं से उत्पन्न होता है अर्थात यह प्रतिफल है जबकि इसके कारक उपरोक्त प्रक्रियाओं में निहित होते है।

Factors Leading to Regional Imbalance

प्रादेशिक असंतुलन को प्रभावित करने वाले कारक:-

- गतिकीय कारक
- प्रौद्योगिकी कारक
- अंतरराष्ट्रीय कारक

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

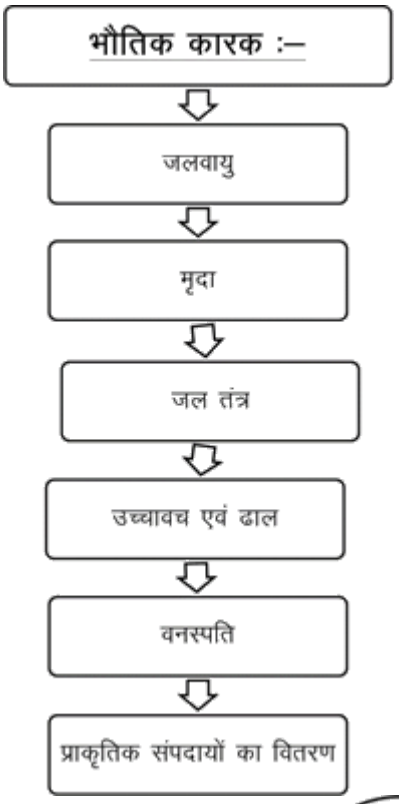

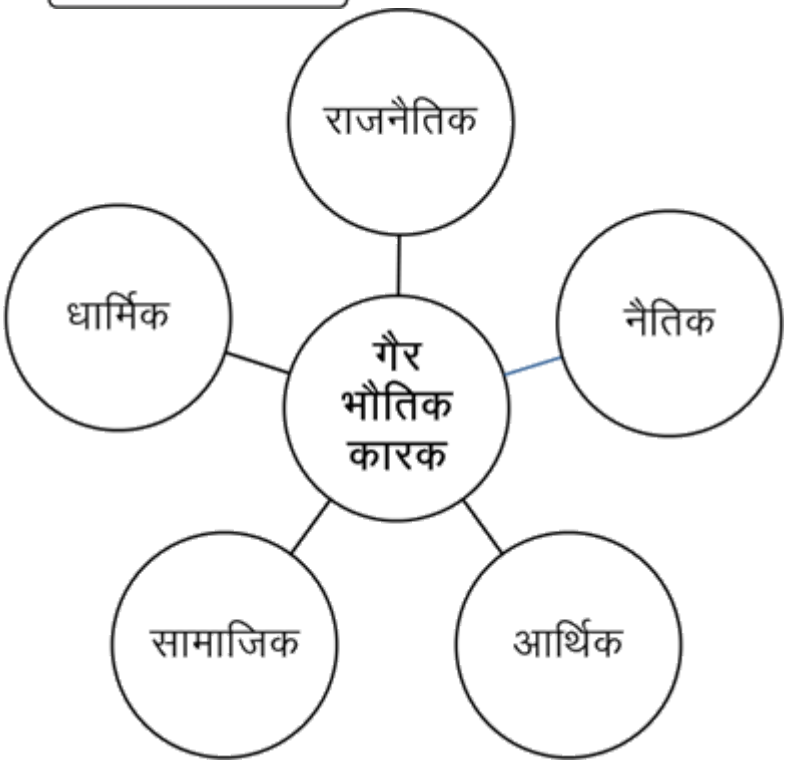

Developed by: *Mindsprite Solutions*